Organization of field Day at Phusbangla (Kawakol) village, Nawada under FLDs programme

A field day was organized by ICAR RCER, Patna in collaboration with KVK, Nawada at Phusbangla (Kawakol) village in Nawada district, Bihar on 16th October, 2020 with objective to see the performance of newly released aerobic rice variety Swarna Shreya at farmer's field grown under frontline demonstration (FLDs) programme. More than 100 farmers (both men and women), scientific staff of Krishi Vigyan Kendra, Nawada and scientists of ICAR RCER were participated in the field days progarmme. All participants visited the demonstration plots of Swarna Shreya and shared their experiences. Farmers were very happy and excited over the performance of drought tolerant aerobic rice variety Swarna Shreya. They were highly impressed by the water scarcity tolerant ability in the variety.

दैनिक भास्कर
नवादा 17-10-2020

है। तीनों को जेल भेज दिया गया है।

निर्देश दिया गया।रजौली बांके मोड़

न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

धान की नई प्रजाति स्वर्ण श्रेया सुखाड़ क्षेत्रों के किसानों के लिए है वरदान

सिटी रिपोर्टर | कौआकोल

जलवायु परिवर्तन के दौर में धान की फसल पानी की कमी के कारण सूख रही हैं तब ऐसी स्थिति में कृषि विज्ञान केंद्र ग्राम निर्माण मंडल नवादा द्वारा उपलब्ध कराई गई धान की नई प्रजाति स्वर्ण श्रेया लगाने वाले किसान बहुत ही संतुष्ट हैं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्वी अनुसंधान परिषद पटना के वरिष्ठ वैज्ञानिक, प्रजाति जनक डॉ संतोष कुमार व उनके टीम ने किसानों के लिए सूखा सहनशील धान की प्रजाति स्वयं श्रेया की खोज की जो नवादा के किसानों के वरदान साबित हुई है इस प्रजाति का बीज अग्रिम पंक्ति प्रत्यक्षण योजना के तहत आईसीए आर एवं आर सी ए आर पटना एवं कृषि विज्ञान केंद्र नवादा द्वारा कृषकों के बीच फूस बंगला गांव की कृषकों को दिया गया फसल होने के उपरांत आईसीएआर पटना एवं कृषि विज्ञान केंद्र कौआकोल द्वारा संयुक्त रुप से प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया

स्वर्ण श्रेया धान फसल की जांच करते कृषि वैज्ञानिक

गया जिसमें कुल 120 कृषक देखने हेतु उपस्थित हुए।

इस दौरान डॉ संतोष कुमार ने कृषकों को प्रजाति के बारे में बताया कि यह प्रजाति कम पानी में तथा सूखा सहनशील है इसके ऊपर लगभग 45 से 50 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है आईसीएआर के वैज्ञानिक डॉ धीरज कुमार ने बताया कि यह प्रजाति 45 से 50% पानी में भी हो जाता है तथा इसमें कीट एवं रोग रोधी क्षमता भी है कृषि विज्ञान केंद्र के प्रमुख डॉ रंजन कुमार सिंह ने बताया कि यह प्रजाति नवादा कि असिंचित क्षेत्रों में वरदान साबित होगी उन्होंने कहा कि अगले वर्ष अधिक किसानों को इस प्रजाति का बीज उपलब्ध कराया जाएगा कृषि विज्ञान केंद्र कौआकोल नवादा के कृषि वैज्ञानिक डॉ जयंतबंत कुमार रवि कांत चौबे एवं रौशन कुमार ने कृषकों को इस प्रजाति को लगाने वह बढ़ावा देने पर बल दिया मौके पर रामनिवास प्रसाद शशिकांत कुमार पिंटू पासवान एवं लगभग 120 किसान उपलब्ध थे।

स्वर्ण श्रेया सुखाड़ क्षेत्र के किसानों के लिए वरदान

संसू, कौआकोल : जलवायु परिवर्तन के दौर में धान की फसल पानी की कमी के कारण सूख रहे हैं, तब ऐसी स्थिति में कृषि विज्ञान केंद्र ग्राम निर्माण मंडल नवादा द्वारा उपलब्ध कराई गई धान की नई प्रजाति स्वर्ण श्रेया लगाने वाले किसान बहुत ही संतुष्ट हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्वी अनुसंधान परिषद पटना के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रजाति जनक डॉ संतोष कुमार एवं उनके टीम ने किसानों के लिए सूखा सहनशील धान की प्रजाति स्वर्ण श्रेया की खोज की जो नवादा के किसानों के वरदान साबित हुई है। इस प्रजाति का बीज अग्रिम पंक्ति प्रत्यक्षण योजना के तहत आइसीएआर एवं आरसीएआर पटना एवं कृषि विज्ञान केंद्र नवादा द्वारा कृषकों के बीच फूस बंगला गांव की कृषकों को दिया गया। फसल होने के उपरांत आइसीएआर पटना एवं कृषि विज्ञान केंद्र कौआकोल द्वारा संयुक्त रुप से प्रक्षेत्र दिवस का

कार्यक्रम में किसान व कृषि वैज्ञानिक • जागरण

आयोजन किया गया जिसमें कुल 120 कृषक देखने हेतु उपस्थित हुए। इस दौरान डॉ संतोष कुमार ने कृषकों को प्रजाति के बारे में बताया कि यह प्रजाति कम पानी में तथा सूखा सहनशील है इसके ऊपर लगभग 45 से 50 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। आइसीएआर के वैज्ञानिक डॉ धीरज कुमार ने बताया कि यह प्रजाति 45 से 50 फीसद पानी में भी हो जाता है तथा इसमें कीट एवं रोग रोधी क्षमता भी है। कृषि विज्ञान केंद्र के प्रमुख डॉ. रंजन कुमार सिंह ने बताया कि यह प्रजाति नवादा की असिंचित क्षेत्रों में वरदान साबित होगी। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष अधिक किसानों को इस प्रजाति का बीज उपलब्ध कराया जाएगा। कृषि विज्ञान केंद्र कौआकोल नवादा के कृषि वैज्ञानिक डॉ. जयंतयंत कुमार रवि कांत चौबे एवं रौशन कुमार ने कृषकों को इस प्रजाति को लगाने वह बढ़ावा देने पर बल दिया। मौके पर रामनिवास प्रसाद शशिकांत कुमार पिंटू पासवान एवं लगभग 120 किसान मौजूद थे।